खबर संक्षेप

रेस्ट हाउस दुर्गोत्सव पंडाल में महिलाओं ने की सुहागले पूजन

भुआबिछिया। नगर में दुर्गोत्सव की धूम चल रही है ऐसे में पंडालों में प्रतिदिन पूजन अर्चन भजन कीर्तन का दौर चल रहा इसी के साथ आज मां सेवा समिति रेस्ट हाउस दुर्गोत्सव पंडाल में लगभग 75 से 80 महिलाओं नेमाता रानी के दरबार में सुहागले पूजन का कार्यक्रम कर चूड़ी बिंदी मीठा पकवान सुहाग का पूरा सामान माता को अर्पण कर सुहागले पूजन की कथा सुनाई माता रानी से अपने सुहाग की रक्षा की कामना की और सभी माताओं बहनों ने माता को अर्पित किया हुआ प्रसाद ग्रहण किया कार्यक्रम के पश्चात्त सभी ने भोजन स्वल्पाहार कर अपना व्रत तोड़ा, इस तरह प्रतिदिन पंडालों में पूजन अर्चन के साथ भजन कीर्तन जस का दौर चल रहा है।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का दौरा कार्यक्रम

मण्डला। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते 30 सितंबर को शाम 6:30 बजे गोटेगांव नरसिंहपुर से जेवरा मंडला के लिए रवाना होंगे तथा रात्रि 8:30 बजे जेवरा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। श्री कुलस्ते 1 अक्टूबर को शाम 4 बजे जेवरा से पिण्डरई के लिए रवाना होंगे तथा शाम 5:30 बजे पिण्डरई पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम 6:30 बजे पिण्डरई से जेवरा के लिए रवाना होंगे तथा रात्रि 8 बजे जेवरा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे तथा 2 अक्टूबर को स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

डीपीसी की नयी नियुक्ति को लेकर चर्चा तेज

योग्य और ईमानदार अधिकारी ही हो नियुक्त

योग्य और निष्पक्ष अधिकारी की मांग जोर पकड़ने लगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के शिक्षा विभाग में डीपीसी (जिला परियोजना समन्वयक) पद को लेकर इन दिनों चर्चाओं का बाजार गर्म है। हाल ही में तत्कालीन डीपीसी अरविंद शर्मा को ईडब्ल्यूओ द्वारा 60,000 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया, जिससे यह पद रिक्त हो गया है। इसी रिक्ति को लेकर अब नयी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होने की चर्चा जोर पकड़ रही है।

सूत्रों के अनुसार, इस पद के लिए अनेक कर्मचारी और अधिकारी प्रयासरत हैं। कोई अपनी 'सैटिंग' के जरिए दौड़ में आगे निकलने की कोशिश कर रहा है तो कोई अपनी योग्यता के दम पर दावेदारी कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस दौड़ में वे लोग भी शामिल हैं जिनका इस पद की जिम्मेदारियों से कोई विशेष ताल्लुक नहीं है, लेकिन वे भी हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि किसी तरह यह अहम पद हासिल कर सकें।

पत्नि सहित ए.पी.सी. अवधेश नारायण पाण्डेय को भी बनाया आरोपी

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाये डी.पी.सी.

• कन्या स्कूल की मान्यता के लिये मांगे थे 120000 रुपये।

क्या है मामला

शौर्य भूमि

यह बात किसी से छुपी नहीं है कि डीपीसी जैसे जिम्मेदार पद पर किसी कुशल, योग्य और साफ-सुथरे छवि वाले अधिकारी की नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि शिक्षा विभाग, विशेष रूप से समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत, लंबे समय से गुटबाजी, अनियमितता और लापरवाही जैसे आरोपों से घिरा रहा है।

यदि पिछले डीपीसी की बात की जाए, तो उन पर भी समय-समय पर भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोप लगे थे। चाहे वह स्थानांतरण हो, सामग्री की खरीदी, निर्माण कार्य या फिर छात्रावासों की मरम्मत—लगातार लापरवाही और अनियमितता की खबरें मीडिया में सुर्खियां बनती रही हैं।

विशेषकर छात्रावास संचालन के मामले में शिकायतें और गंभीर आरोप सामने आए हैं। जिले में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत लगभग 16 बालिका एवं 1 बालक छात्रावास संचालित हैं, जिनके संचालन में पारदर्शिता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। कुछ सूत्रों का यह भी दावा है कि इन छात्रावासों से जुड़ी योजनाओं में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हो रही हैं और अधिकारी हर माह 'बंधौरी' के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे हैं। साथ ही निजी स्कूलों की मान्यता को लेकर भ्रष्टाचार की बात किसी से छुपी नहीं है। कारण, अभी हाल ही मे तत्कालीन डीपीसी द्वारा लेन-देन के मामले पर ईडब्ल्यूओ का छापा पड़ने से भ्रष्टाचार उजागर हुआ था।

फिलहाल सहायक वार्डन के स्थानांतरण और 'मैचूबल' प्रक्रिया को लेकर भी चर्चाएं गरम हैं। इसके साथ ही, छात्रावासों में गद्दों की खरीदी में भी गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है।

ऐसे में जिला प्रशासन और शासन से जनमानस की यह अपील है कि मण्डला जिले के शिक्षा विभाग में डीपीसी जैसे महत्वपूर्ण पद पर किसी ऐसे अधिकारी की नियुक्ति की जाए, जो न सिर्फ प्रशासनिक रूप से सक्षम हो बल्कि ईमानदारी और पारदर्शिता की मिसाल भी हो। यदि ऐसा नहीं किया गया और केवल 'एप्रोच' के आधार पर किसी को पद सौंपा गया, तो एक बार फिर वही लापरवाही, गुटबाजी और भ्रष्टाचार की कहानियाँ दोहराई जाएंगी- जिसका खामियाजा अंततः जिले की शिक्षा व्यवस्था और बच्चों के भविष्य को भुगतना पड़ेगा।

नवरात्रि में भिक्षा दशहरे पर सेवा, साई भक्त किशोर की अद्भुत आस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नवरात्रि के पावन अवसर पर जहां देशभर में भक्ति और आस्था के अलग-अलग स्वरूप देखने को मिल रहे हैं वहीं जिले के साई भक्त किशोर रजक की अनूठी परंपरा हर किसी को प्रेरित करती है। वे पिछले 25 वर्षों से नवरात्रि के नौ दिनों तक नंगे पाँव मौन व्रत रखकर घर-घर भिक्षा मांगने जाते हैं और उसी भिक्षा से दशहरे के दिन भंडारा कराते हैं। किशोर रजक नवरात्रि के नौ दिन किसी से बात नहीं करते यहां तक कि घरवालों से भी इशारों में ही संवाद करते हैं। उनका मानना है कि जिस तरह साईं बाबा घर-घर भिक्षा मांगकर लोगों को सेवा का संदेश देते थे उसी तरह वे भी भक्ति और सेवा का संदेश फैलाते हैं। पत्नी माया रजक बताती हैं कि 25 साल पहले किशोर शराब के आदी थे। जीवन में बदलाव लाने के लिए वे शिर्डी गए और वहीं उन्होंने संकल्प लिया कि हर शारदीय नवरात्रि में भिक्षा मांगेंगे और दशहरे के दिन जो कि साईं बाबा की पुण्यतिथि भी है। भंडारा कराकर समाज की सेवा करेंगे। उनकी बेटी पूर्णिमा रजक ने भी बताया कि पापा का यह संकल्प हमारे पूरे परिवार के लिए प्रेरणा है। हमें गर्व है कि उनके इस व्रत से न केवल समाज में सेवा का संदेश फैलता है बल्कि हम सबको भी साईं बाबा के आदर्शों को समझने का अवसर मिलता है। इन 25 वर्षों में किशोर रजक का यह व्रत अब मंडला की पहचान बन चुका है। हर साल लोग उनकी भिक्षा यात्रा में श्रद्धा से भिक्षा देते हैं और दशहरे पर साईं भंडारे में हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करने उनके घर में बने साई दरबार में पहुंचते हैं। वहीं समाजसेवी नीरज अग्रवाल ने बताया कि मैं उन्हें सालों से देख रहा हूं। हर नवरात्रि वे नंगे पांव भिक्षा मांगते हुए पूरे शहर में निकलते हैं। उनकी आस्था और सेवा का यह भाव वाकई अद्भुत है जो हम सभी के लिए प्रेरणा है। इन 25 वर्षों में किशोर रजक का यह व्रत अब मंडला की पहचान बन चुका है। किशोर रजक का यह संकल्प साबित करता है कि सच्ची आस्था और दृढ़ इच्छाशक्ति न केवल जीवन बदल सकती है बल्कि समाज में भक्ति और सेवा का संदेश भी फैला सकती है। सोमवार को पत्रकार परिषद ने साई बाबा का पूजन अर्चन करते हुए साईभक्त किशोर रजक का देवदरा मार्ग में स्वागत किया और उन्हें रूद्राक्ष की माला पहनाई इस दौरान पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति सीता परतेती, रोहित बघेल, दीपक रजक, अनमोल अग्रवाल सहित अन्य समाजिक बंधु उपस्थित रहे।

पंचचौंकी तर्ज में हुई महाआरती, कमल के फूल में विराजी माँ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नवशक्ति दुर्गोत्सव समिति राजीव कॉलोनी बजरंग चौक में स्थापित माता रानी के दर्शन के लिए दूर-दूर से धर्मप्रेमी पहुंच रहे हैं विगत 40 वर्षो से शारदेय नवरात्रि में स्थापना का दौर लगातार चला आ रहा है सामाजिक कार्यकर्ता प्रियदर्शन पटैल ने बताया कि हर वर्ष माता रानी के जगराता के साथ सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक वागीश पटैल ने बताया कि महिष्मति घाट की तर्ज पर आयोजित महाआरती में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू भलावी, श्रमजीवी पत्रकार परिषद जिलाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, अभाविप विभाग संगठन मंत्री रामधार सिंह बैंस ने माता रानी की महाआरती की है और स्थापित हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर चर्चा आदि भी की गई है। यहां पर बच्चों के लिए मटकी फोड प्रतियोगिता के साथ रंगोली

प्रतियोगित भी आयोजित की गई थी विजेता बच्चों को उपहार प्रदान किए गए। नव शक्ति दुर्गोत्सव समिति राजीव कॉलोनी बजरंग चौक द्वारा शारदेय नवरात्र 1989 से निरंतर माता रानी की प्रतिमा विराजित की जा रही है। इस वर्ष भी समिति ने माता रानी की अत्यंत आकर्षक और मनमोहक प्रतिमा स्थापित की है जो नगरवासियों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। प्रतिमा में माता रानी कमल के पुष्प पर विराजित हैं और उनके गोद में बाघ के बच्चे को बैठाया गया है जो विशेष रूप से लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस अनोखे एवं प्रभावशाली स्वरूप ने सोशल मीडिया पर भी तहलका मचा दिया है और हजारों लोग इस प्रतिमा की प्रशंसा कर चुके हैं। समिति ने जिले के सभी लोगों को माता रानी के दर्शन आमंत्रित किया है। आयोजकों का कहना है कि इस प्रकार के आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं बल्कि समुदाय में एकजुटता और सामाजिक सौहार्द को भी बढ़ावा देते हैं।

सिद्ध दुर्गात्सव समिति की मातृशक्तियों ने चढ़ाया सिंगार

मण्डला। श्री सिद्ध सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बड़ी खैरी ने इस वर्ष अपने 54वें स्थापना वर्ष पर आस्था का अद्भुत आयोजन किया है। मातृशक्तियों द्वारा माँ दुर्गा को सिंदूर सिंगार और पूजन अर्पण किया गया। सिंदूरदान के इस विशेष अनुष्ठान में सैकड़ों महिलाएं पारंपरिक परिधान में शामिल हुईं। शंख-घंटियों की गूंज, ढोल-नगाड़ों की थाप और जय माता दी के जयकारों के बीच माहौल भक्तिमय हो उठा। समिति ने इस बार विद्या महाशक्ति पीठ की थीम पर माता के दस दिव्य स्वरूप स्थापित किए हैं मां धूमावती, मां कमला, मां काली, मां बगलामुखी, मां मातंगी, मां तारा, मां त्रिपुर सुंदरी, मां भुवनेश्वरी, मां षोडशी और मां छिन्नमस्ता की स्थापना यहां की गई है। जहां पर विधि विधान से पूजन पाठ किया जा रहा है। भक्तों को दुर्लभ दर्शन का अवसर मिला है। हर वर्ष की तरह इस आयोजन में युवा वर्ग, बुजुर्ग और मातृशक्ति ने विशेष सहयोग दिया है। भव्य सजावट, मनमोहक रोशनी और अद्भुत भक्ति वातावरण ने बड़ी खैरी के इस दुर्गा उत्सव को अविस्मरणीय बना दिया। माँ दुर्गा के प्रति अटूट आस्था और परंपरा का यह अद्भुत संगम न केवल बड़ी खैरी बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बन गया है। हजारों की संख्या में प्रतिदिन लोग दर्शन करने पहुंच रहे हैं यहां पर मेला प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया है। जहां पर आकर्षक झूले लगे हुए हैं। आज रात्रि 8 बजे भव्य महाआरती का आयोजन किया गया है।

कार्यशाला | **जीवन कौशल पर जनपद शिक्षा केंद्र घुघरी में कार्यशाला का आयोजन।**

जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

शिक्षकों के लिये सहायक हैं ऐसी कार्यशाला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/घुघरी

जनपद शिक्षा केंद्र घुघरी में आज जीवन कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बड़े ही उत्साह और गंभीरता के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यशाला शिक्षा विभाग की पहल पर आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य शिक्षकों में जीवन कौशल (Life Skills) की समझ विकसित करना, बच्चों में सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना और उन्हें व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना था। कार्यशाला में विकासखंड स्रोत समन्वयक (BRC) हर्ष जोशी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ मास्टर ट्रेनर विवेक दुबे और जिला ट्रेनर श्री गौतम भी इस कार्यशाला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने। कार्यक्रम में घुघरी ब्लॉक के सभी जनशिक्षक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के शिक्षक, शिक्षिकाएँ तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद उपस्थित सभी शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर विकासखंड स्रोत समन्वयक हर्ष जोशी ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि जीवन कौशल शिक्षा बच्चों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे कक्षा में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में भावनात्मक संतुलन, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान की योग्यता और रचनात्मकता जैसी क्षमताओं का विकास करें।

मास्टर ट्रेनर विवेक दुबे ने अपने सत्र में जीवन कौशल के दस प्रमुख घटकों के बारे में विस्तार से बताया। इनमें आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान, प्रभावी संचार, अंतरव्यक्तिक संबंध, भावनात्मक संतुलन और तनाव प्रबंधन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये कौशल सिर्फ शिक्षा क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षकों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार बच्चों में इन गुणों का विकास किया जा सकता है।

जिला ट्रेनर श्री गौतम ने कार्यशाला को और भी रोचक बनाते हुए कई गतिविधियों का संचालन किया। उन्होंने समूह चर्चा, रोल प्ले और केस स्टडी के माध्यम से जीवन कौशल की अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझाया। प्रतिभागियों को विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने और उचित निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित सभी जनशिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। समूह गतिविधियों के दौरान उन्होंने अपनी-अपनी समस्याएँ और अनुभव साझा किए। शिक्षकों ने माना कि वर्तमान समय में केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बच्चों को मानसिक रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से जागरूक बनाना उतना ही जरूरी है। कई शिक्षकों ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएँ उन्हें नई ऊर्जा और दृष्टिकोण प्रदान करती हैं, जिससे वे बच्चों के साथ बेहतर तरीके से जुड़ पाते हैं।

विकासखंड स्रोत समन्वयक हर्ष जोशी ने कार्यशाला के अंत में कहा कि शिक्षा विभाग लगातार ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, ताकि शिक्षकों को नई शैक्षिक पद्धतियों से अवगत कराया जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी जीवन कौशल शिक्षा पर और कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी तथा बच्चों में जीवन कौशल के मूल्यांकन के लिए एक विशेष योजना बनाई जाएगी।

कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सभी प्रतिभागियों ने इस आयोजन की सराहना की और इसे शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। यह कार्यशाला न केवल शिक्षकों के लिए एक सीखने का मंच बनी, बल्कि इसने उन्हें बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका को और गंभीरता से निभाने के लिए प्रेरित भी किया।

जनपद शिक्षा केंद्र घुघरी में आयोजित यह कार्यशाला इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा विभाग बच्चों की शिक्षा को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उन्हें व्यवहारिक और सामाजिक जीवन के लिए भी तैयार करना चाहता है। इस तरह की पहलें निश्चित रूप से बच्चों के व्यक्तित्व विकास में मील का पत्थर साबित होंगी।

राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में जिले की उत्कृष्ट प्रदर्शन

5 स्वर्ण, 4 रजत, 2 कांस्य पदक सहित 1 राष्ट्रीय रैफरी और 2 जज बने।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश स्पोर्ट्स कराते के तत्वावधान में 26 से 28 सितंबर 2025 तक इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक (5 स्वर्ण, 4 रजत, 2 कांस्य) अर्जित किए। साथ ही जिले को कराते के तकनीकी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां मिलीं – 1 राष्ट्रीय रैफरी और 2 जज बने।

जिला कराते संघ के सचिव त्रिलोक डोंगरे ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 सितंबर को विश्व कराते संघ-2024 के नए नियमों के अंतर्गत एक दिवसीय सेमिनार एवं रैफरी/जज/कोच की परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक रूप में मुख्य परीक्षक सिहान शाहीन अख्तर (विश्व एवं एशियन कराते संघ रैफरी) द्वारा आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश भर से लगभग 90 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

जिले से त्रिलोक डोंगरे ने रैफरी परीक्षा, जबकि आदित्य धुर्वे एवं दिशा यादव ने जज परीक्षा उत्तीर्ण की। यह जिले के लिए गौरव की बात है।

प्रतियोगिता के मुख्य मुकाबले 27 एवं 28 सितंबर को हुए, जिसमें जिले के 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया और निम्नानुसार पदक प्राप्त किए: जूनियर वर्ग (17 वर्ष)- राजाराम साहू स्वर्ण, संतोष सोनी रजत, सक्षम उइके कांस्य, सीनियर वर्ग-रेखा साहू स्वर्ण, आदित्य धुर्वे स्वर्ण, दिशा यादव कांस्य, विद्या डोंगरे रजत, अमन रजक रजत, सब जूनियर (13 वर्ष)- आरोही उइके काता एवं कुमिते दोनों में स्वर्ण, सानवी साहू रजत पदक प्राप्त किया।

जिले की इस उपलब्धि पर जिला कराते संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह, उपाध्यक्ष प्रतिमा उपाध्याय, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री विकास खराड़कर, प्रशिक्षक आकाश खत्री, सोना दुबे, समन्वयक पंकज उसराठे, शशांक मिश्रा, करुणा मर्सकोले, गंगाराम, रामनाथ, रामवती परते, क्रीड़ा भारती के पदाधिकारी एवं जिले के समस्त खेलप्रेमियों ने विजेताओं को बधाई दी। यह उपलब्धि जिले के कराते खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है, जो भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे।

नवरात्र पर्व में पंडालों में विराजी माँ जगत जननी

नगर के शक्ति चौक पर स्थापित प्रतिमा

नगर के जगदीश वार्ड में स्थापित माँ काली की प्रतिमा

नगर के शनि मंदिर के पास स्थापित प्रतिमा

नगर के पलोटन गंज शक्तिधाम में स्थापित प्रतिमा

नगर के विजय कालोनी में स्थापित प्रतिमा

नगर के नया बस स्टैन्ड के पीछे स्थापित प्रतिमा

नगर के बस स्टैन्ड के पास स्थापित प्रतिमा।

नगर की चंद्रकेशर कालोनी में स्थापित प्रतिमा।

नगर के सिनेमा रोड पर स्थापित प्रतिमा

नगर के चांवडी मार्ग पर स्थापित प्रतिमा

नगर के स्टेट बैंक के सामने स्थापित प्रतिमा

नगर के बीजासेन वार्ड में स्थापित प्रतिमा

शारदेय नवरात्र के चलते घरों का बदला माहौल, शक्ति की देवी माँ भगवती का व्रत रख मॉ दुर्गा की आराधना करने लीन नजर आ रही महिलाएं, आज दुर्गा अष्टमी के मौके पर देवी मंदिरों में पूजन व दर्शन के लिए उमडेगा सड़को पर जन सैलाब

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शारदेय नवरात्र की 22 सितम्बर शुरू होने की पावन बेला से ही लोग मॉ दुर्गा के दर्शन, पूजन की शहर के साथ साथ ग्रामीण जनों द्वारा भी माँ भगवती के प्रति सॅजोयी गई अपना साधना पूरी करने के लिए लोग पूर्ण रूप से लीन देखे जा रहे है। माँ भगवती के आराधना पर्व शारदेय नवरात्र पर्व की चहल पहल इन दिनों चरम पर आ चुकी है। वही हिन्दू धर्म में प्रमुख माने जाने वाली माँ जगत जननी के पर्व के दौरान नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि माताएं बहिने, पुरूष युवा जहां सुबह से देवी मंदिरों में माँ दुर्गा के चरणों में जल अर्पित करने मंदिरों में पहुंच रहे है। वही दूसरी ओर अनेक लोग अपने घरों में भी श्रद्धा भाव से माँ भगवती की पूजा, आराधना कर मातारानी से मनोकामनांए पूर्ण करने का आशीष प्राप्त कर रहे है। शारदेय नवरात्र पर्व पर शहर की रक्षक देवी माँ खेरापति माता के मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों हुई आकर्षक सजावट और उनमें माँ भगवती की सांध्या कालीन आरती, भजन, कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। वही शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर विराजी माँ दुर्गा की विभिन्न भाव मुद्राओं वाली नयनाविराम प्रतिमाओं के दर्शन, मातारानी की सजी मोहक झांकियाँ निहारने रात्रि में भक्तों का सैलाव उमड़ रहा है। वही बताया जाता है कि आज मंगलवार को सर्वार्थ सिद्वियोग में पड़ रही शारदेय नवरात्र पर्व की दुर्गा अष्टमी को श्रद्वालु माँ जगदम्बे का पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित करेगे तथा देवी मंदिरों में विद्वान पंडितों के मंत्रोच्चरणों के साथ अनेक प्रकार से पूजन संपन्न करायेगे तथा धर्म शास्त्रों की मान्याताओं के अनुसार देवी मंदिरों में स्थापित जवारे तेजोमय हो जायेगे। मतारानी का विशेष आर्शीवाद मिलने के साथ अखंड देवी भक्त को भाव आने लगेगे। वही लोगों द्वारा अपने घरों में भी देवी स्वरूप कन्याओं को भोजन कराने का क्रम शुरू हो गया है। इस प्रकार से दुर्गोत्सव के प्रारम्भ होने के दिवस से ही शहर में विभिन्न स्थानो पर मॉ दुर्गा की सजीव, मन मोहक प्रतिमाऍ जहां विद्युत मालाओं से सुसज्जित भव्य पंडालो में स्थापित कर उनकी पूजन, आरती का क्रम चल रहा है। वही सुबह श्रद्धालु माताऍ, बहिनें, युवा देवी मंदिरो में पहुॅच मातारानी को जल ढार उनके चरणो में नमन कर लगातार 9 दिनों तक मॉ भगवती की सेवा करते हुए मॉ दुर्गा के भक्तिमय गुणगान का संकल्प ग्रहण कर रहे है। वही घरो में दुर्गोत्सव पर व्रत रख मॉ दुर्गा के नौ रूपो की विधि विधान से पूजा, अर्चना करने महिलाऍ, बहिनें उत्साहित प्रतीत हो रही है और उनकी ओर भक्ति भाव से माँ की आराधना में लीन देखी जा रही है। वही नगर में जहां तहा पंडालों में स्थापित हुई माँ जगदम्बे की मनोहर झांकियों को देखते हुए नगर इस प्रकार से प्रतीत हो रहा है कि शायद माँ भवानी स्वयं ही नगर में उतर कर आ गई है और वह अपने भक्तों को दर्शन देते हुए उन्हें अपना आर्शीवाद देने में किसी भी प्रकार की कोई कसर नही छोड़ रही है, जिसके चलते मौसम ठीक रहा तो आज दुर्गा अष्टमी के अवसर पर नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से जन सैलाब उमड़ने की संभावना लग रही है कि सड़कों पर तिल रखने के लिए भी जगह कम पड़ जावेगी। वही हरिभूमि टीम से धर्म के प्रति गहरी आस्था रखने वाली महिलाओं ने चर्चा की गई तो शारदेय नवरात्र प्रारम्भ होने का उन्हे इंतजार काफी दिनों से इसलिए था क्योकि दुर्गोत्सव पर विकट राक्षसो का संहार करने वाली शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मॉ दुर्गा की पूजा, आराधना करने से उन्हे आत्मिक शक्ति और अन्याय से डटकर सामना करने का साहस मिलता है। ग्राम बारहाबड़ा निवासी श्रीमति रीना/विकास कुशवाहा का कहना है कि मॉ भगवती संसार का दुःख दूर करने वाली है। उनकी ममता का ऑचल विशाल है। मातारानी की प्रतिमाओं से फैलने वाला दिव्य प्रकाश सर्वत्र फैल भक्तो के मन के अॅधेरे को दूर करता है। मै वर्षो से शारदेय नवरात्र पर व्रत रख मॉ दुर्गा की पूजन करती आ रही हूॅ, मुझे पूरा भरोसा है कि दुर्गोत्सव शुरू होते ही घर का माहौल एकाएक बदल जाता है और घर में सुख, शांति छाने का अहसास होता है। इसी प्रकार ग्राम देवरी निवासी श्रीमति मंजू लोधी के अनुसार दुर्गोत्सव को शक्ति के संचय का महापर्व माना गया है। इस लिहाज से महिलाओं का कर्त्तव्य है कि शारदेय नवरात्र के दिनों में उन्हे शक्ति की अधिष्ठात्री, देवलायो द्वारा पूजित मॉ दुर्गा की शरण में जाना चाहिये। वही गाडरवारा ही निवासी श्रीमति रिंकी / योगेश कौरव के अनुसार मुझे इस बात की विशेष खुशी है कि इस वर्ष शारदेय नवरात्र पर अद्भुत योग निर्मित हो रहे है। दुर्गोत्सव को उत्साह से मनाने की काफी दिन पहले से ही मै तैयारियॉ शुरू कर देती हूॅ और शारदेय नवरात्र के दिनों में आस्था, श्रद्धा के साथ मॉ दुर्गा की आराधना में लीन हो जाती हूॅ, मेरा मानना है कि शारदेय नवरात्र पर मातृ शक्ति पर मॉ दुर्गा की कृपा बरसती है। वही श्रीमति बंदना/अशोक भार्गव का कहना है कि मेरे लिए शारदेय नवरात्रि के दिन खास आनंद के होते है। सुबह मातारानी को जल आर्पित करने के बाद घर में मॉ दुर्गा की पूजा, अर्चना करती हूॅ, पड़ौस की कन्याओं को प्रसाद देती हूॅ और रात में शहर में स्थापित मॉ दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करती हूॅ। मॉ दुर्गा की भक्ति करते हुए मुझे पता ही नही चलता कि शारदेय नवरात्र के दिन कैसे बीत जाते है, और जब जहां तहां विराजमान माँ भवानी की बिदाई की बेला आती है तो नगर सूना लगने लगता है।

जगत जननी माँ दुर्गा के दर्शनों के लिए भक्त हो रहे व्याकुल, काली मंदिर सहित अन्य देवी दरबारों में दिख रहा मनमोहक रूप

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चल रहे शारदेय नवरात्र पर्व की हलचले इन दिनों विभिन्न प्रकार की रोशनियों से नहाये हुए धर्ममय शहर में चरम पर पहुंच चुकी है, जिसके चलते देखा जा रहा है कि नगर में चारों ओर धार्मिक आयोजनों की धूम मची है तथा मातारानी के भक्त निर्जला और मौन रहकर देवी दरबारों में माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन कर माँ दुर्गा की जी महाआरती में शामिल होने रात में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से आये हुए देवी भक्त पहुंच रहे है। वही घरों में भी लोग माँ भगवती की पूजा, अर्चना कर माताएं बहिनें माँ दुर्गा जी को प्रसन्न कर उनसे सुख, समृद्धि का बरदान मांग रही है। इस प्रकार से शारदेय नवरात्र पर्व के चलते जहां नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के देवी मंदिरों व देवी दरबारों में संगीतमय भजन, कीर्तन के साथ अन्य विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे है और जगह जगह

बिराजी माँ जगत जननी की आकर्षक प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग नगर की सड़कों पर उमड़ने से चहुंओर मातारानी के जयकारे गूंज रहे है तथा देवी दरबारों मं कलशों के साथ स्थापित जबारों की बढ़त से भक्तों को अहसास हो रहा है कि इस वर्ष जिस तरह मातारानी की भक्ति के बीच लोगों में महंगाई अडंगा जरूरी बनी हुई है लेकिन भक्तों को भरोसा है निश्चित तौर माता रानी उससे शीघ्र ही निजात दिलाते हुये अपने भक्तों की पीड़ा का हरण करते हुये उन्हे खुशहाल करेगी। वही कल सोमवार को को दुर्गा सप्तमी के दिन शुभकारी देवी माँ की पूजन किया गया। वही आज अष्ठमी को माँ रात्रि की घरों व देवी दरबारों में उपासना, आराधना की जावेगी तथा देवी दरबारों में कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किये जावेगी। इस प्रकार से लोगों के घरों व देवी दरबारों में देवी स्वरूपा कन्याओं के चरण भी पड़ेगें जिनका लोगों ने विधिवत पूजन कर भक्तों ने इन कन्याओं को मातारानी को प्रिय माने वाले भोजन ग्रहण कराये जावेगे। वही नगर में देखा जा रहा है कि इस मौके पर जिन स्थानों पर महाकाली की प्रतिमाएं स्थापित की गई है वहां दुष्टों का विनाश करने वाली व भक्तों को भयमुक्त करने वाली माँ कालरात्रि की विशेष पूजन, आरती की गई और पंडाओं ने मंत्र पढ़कर लोगों को अनचाही बाधाओं के बंधनों से आजाद किया। वही बताया जाता है कि बीते हुये दुर्गा सप्तमी के दिन विशेष संयोग में भक्तगण मातारानी व अपने कुल देवताओं की पूजन की गई। वही देवी दरबारों में माँ दुर्गा के हवन पूजन व महाआरती के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके आलवा देवी दरबारों में कन्या भोजों की धूम रही। गौरतलब है कि शारदेय नवरात्र के चलते इस समय ट्रेनों से देवी दर्शन करने मैहर देवी दर्शन करने जाने वालों की भीड़ के चलते ट्रेनों में लोगों को परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। मगर लग रहा है कि शायद प्रशासन को आम लोगों की सुविधाओं को लेकर कोई लेना देना नही रह गया है जिसका परिणाम है कि जहां भीड़ के दौरान शहर की सड़को पर खुलेआम मवेशी भ्रमण करते हुये लोगों को दहशत में डाल रहे है।

चीचली में पुराना पेड़ गिरने से चकनाचूर हुई मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जहां तहां खड़े हुये पुराने पेड़ो को लेकर जिस तरह प्रशासन द्वारा अनदेखी की जाती है वह निश्चित बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूकते है। इस सच्चाई को बारिश शुरू होने के पूर्व हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर करते हुये अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा को भंग करने के प्रयास किये जाते है। मगर इसके बाद भी ध्यान न देना जहां प्रशासन की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ शहीद नगरी चीचली में देखने मली है जहां पर एक पुराना पेड़ गिरने के चलते माँ जगदम्बे की कृपा से बड़ी घटना घटित होने से तो टल गई। मगर एक बाइक जो पेड़ के समीप खड़ी हुई थी वह चकराचूर होने से नही बच पाई है। बताया जाता है कि सोमवार को अचानक बेमौसम आसमान पर काले बादल छाने के साथ तेज हवा लेकर आई बारिश के दौरान नगर के महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड क्रमांक 6 छोटी मस्जिद के पास खड़ा हुआ वर्षो पुराना पेड़ अचानक गिर जाने के कारण इसकी चपेट में मोटर साईकिल आने के कारण जहां बाइक मालिक को आर्थिक छति का सामना करना पड़ा है। मगर बड़ी घटना जरूर टल गई। क्योंकि इस पेड़ नीचे जहां सदा छोटे बच्चों को खेलते हुये देखा जाता था तो दूसरी ओर लोगों का आना जाना भी बने रहते हुये देखा जाना आम बात थी।

मेन बाजार अमरपुर में स्थापित मां काली जी की प्रतिमा

बाजार चौक अमरपुर में स्थापित मां कालरात्रि जी की प्रतिमा

बाजार चौक अमरपुर में स्थापित मां दुर्गा जी की स्थाई प्रतिमा

अस्पताल मोहल्ला अमरपुर में स्थापित मां दुर्गा जी की आकर्षक प्रतिमा

फारेस्ट कलोनी अमरपुर में स्थापित मां अम्बे जी की प्रतिमा

अशोक चौक रामगढ़ में स्थापित मां दुर्गा जी की प्रतिमा

खेरमाई चौक रामगढ़ स्थापित मां दुर्गे जी की प्रतिमा

अल्पविराम ही तनाव से मुक्ति का माध्यम' मेंहदवानी में एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला

डिंडौरी। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल एवंमध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त निर्देशानुसार सोमवार, 29 नवंबर 2025 को विकासखंड मेंहदवानी के जनपद पंचायत सभागार में एक दिवसीय अल्पविरामकार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मेंमुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष रामप्रसादतेकाम, किशनलाल झरिया पंचायत इंस्पेक्टर, म.प्र. जन अभियान परिषद जिलासमन्वयक धर्मेंद्र चौहान, विकासखंड समन्वयक श्रीमती सुशीला ठाकुर, आनंदविभाग मास्टर ट्रेनर्स मंजूषा शर्मा, सोहन साहू एवं राकेश गुप्ता कीउपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस अवसर परपंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, पुलिस, राजस्व, कृषि, उद्यानिकी, आजीविका मिशन आदि विभागों के अधिकारियोंएवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों एवं मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दीप प्रज्वलन और "इतनी शक्ति हमें देना दाता" की सामूहिक प्रार्थना से हुई। सभी अतिथियोंएवं प्रतिभागियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

'अल्पविराम' की महत्ता पर चर्चा

जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने कहा कि "अल्पविराम से जीवन कोसकारात्मक दिशा मिलती है। इसका उद्देश्य लोगों के जीवन में आनंद की अनुभूतिके प्रसार और उन्हें उस मार्ग पर सतत रूप से चलने के लिए प्रेरित करनाहै। मास्टर ट्रेनर सोहन साहू ने राज्य आनंदसंस्थान का परिचय वीडियो दिखाया और प्रतिभागियों को संस्थान की गतिविधियोंसे अवगत कराया। उन्होंने कहा कि "खुद से खुद की मुलाकात, खुद से खुद कासंपर्क, खुद से खुद की बात ही 'अल्पविराम' है।" उन्होंने प्रतिभागियों कोबताया कि अल्पविराम के माध्यम से जीवन को संतुलित कर तनाव मुक्त किया जासकता है, आवेगों-उद्वेगों पर नियंत्रण कर आत्मा की आवाज सुन सकते हैं। "आनंद प्रतिस्पर्धा के इस युग में खो गया है, जिसे जीवन प्रबंधन द्वारापुनः पाया जा सकता है," उन्होंने कहा।मास्टर ट्रेनर श्रीमती मंजूषा शर्मा ने 'जीवन का लेखा-जोखा' विषय पर कहाकि "हम अपने जीवन रूपी कंपनी के सीईओ हैं। खुशियों की चाबी दूसरे को नदें।" उन्होंने कृतज्ञता और माफी के महत्व को प्रतिभागियों के अनुभवों केआधार पर समझाया।मास्टर ट्रेनर श्रीराकेश गुप्ता ने 'चिंता का दायरा व प्रभाव का दायरा' विषय पर प्रतिभागियोंको प्रेरित किया। उन्होंने समझाया कि कैसे चिंताओं को कम कर प्रभाव केदायरे को बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत मेंजनपद अध्यक्ष श्री रामप्रसाद तेकाम ने कहा, "अल्पविराम जीवन को सकारात्मकदिशा देने वाली मध्यप्रदेश शासन की अभिनव पहल है। हम अपने दैनिक कार्योंमें इतने व्यस्त हो जाते हैं कि परिवार व समाज को समय नहीं दे पाते।कार्यालय का कार्य कार्यालय तक सीमित रहे, सभी को समय दें, आनंदित रहें औरस्वयं खुश रहें।"मास्टर ट्रेनर राकेश गुप्ता ने सुंदर गीत प्रस्तुत कर सभीको आनंदित किया। अंत में जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने सेवा पखवाड़ा केअंतर्गत सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभारविकासखंड समन्वयक श्रीमती सुशीला ठाकुर ने किया। कार्यशाला में विभिन्नविभागों के 70 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। संपूर्ण व्यवस्था हेतु सभीमेंटर्स, नवांकुर संस्था एवं जनपद पंचायत मेंहदवानी के स्टाफ का सराहनीयसहयोग रहा।

खबर संक्षेप

स्वच्छता ही सेवा के तहत स्वच्छता रैली का हुआ आयोजन

डिंडौरी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी में सोमवार को "स्वछता ही सेवाअभियान" अंतंगत उपस्थित विद्यार्थियों को प्राथना सभा में स्वच्छता शपथदिलाई गई। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता ओर सामाजिक सेवाके प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। 17 सितंबर 2025 से प्रारम्भ "सेवापखवाड़ा " अभियान में विद्यालय में अध्यनरत किशोर बालिकाओं एवं बालकों काजिला चिकित्सालय से स्वास्थ्य परीक्षण अंतंगत सिकिल सेल, एनीमिया एवं रक्तजाँच की गई। स्वच्छता ही सेवा एवं विकसित भारत थीम पर साप्ताहिक विभिन्नगतिविधियों जिसमें रंगोली, वाद-विवाद, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताआयोजित की गई। स्वच्छता ही सेवा में विद्यार्थियों की रैली निकालकर जनसमुदाय को जागरुक किया गया। उक्त सभी गतिविधियों को प्राचार्य एस केद्विवेदी के निर्देशन एवं समस्त शिक्षक स्टाफ के सहयोग से सम्पन्न कियागया।

महाविद्यालय में रोजगारोन्मुखी सिलाई - कढ़ाई प्रशिक्षण का समापन

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह केनिर्देशन और स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अनिलकुशराम के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना केअंतर्गत सिलाई - कढ़ाई एक माही अल्पअवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम कासफलतापूर्वक आज समापन किया गया। यह प्रशिक्षण आजीविका मिशन की मेंटर के रूपमें प्रशिक्षणकर्ता श्रीमती संतोषी रघुवंशी के माध्यम से 1 सितंबर सेमहाविद्यालय के विद्यार्थियों को सिलाई - कढ़ाई की कौशल विकसित करप्रशिक्षित की गई। इस अवसर पर सिलाई - कढ़ाई में प्रशिक्षित छात्राएं शांतिबनवासी एवं उमारानी ठाकुर ने स्वयं के द्वारा बनायी गई सलवार - कुर्ती पहनकर समापन कार्यक्रम में उपस्थित हुई। इस कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. सीमा डावर ने कहा कि सिलाई - कढ़ाईप्रशिक्षण की भविष्य में उपयोगिता, रोजगार प्रारंभ करने के लिए तकनीकी रूपसे सहायक सिद्ध होगी। इसके पश्चात अल्पअवधि प्रशिक्षण प्राप्तविद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए भविष्य के मंगलमय शुभकामनाएंदी। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ डॉ. सुनील काकोड़िया, डॉ. पुष्पेंद्रतिवारी, जयदीप दुबे, समीर धुर्वे, ओमकार वाटिया, कमलेश वास्पे एवंप्रशिक्षणार्थी छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

बरगांव में गरबा महोत्सव की रंगारंग धूम

शहपुरा/डिंडोरी। माँआद्या कालिकोत्सव समिति बरगांव द्वारा गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन कियागया। इस अवसर पर गाँव की सैकड़ों बच्चियों ने पारंपरिक परिधानों में गरबानृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। गरबा नृत्य का कार्यक्रम रात 8 बजे से 10 बजे तक चला, जिसमें ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद रही।कार्यक्रमके दौरान बच्चियों का तालबद्ध नृत्य और गरबा की लयबद्ध प्रस्तुति ने पूरेवातावरण को उल्लास और उत्साह से भर दिया। आयोजन स्थल पर ग्रामीणों नेतालियों और जयकारों के साथ बच्चियों का उत्साहवर्धन किया।इस गरबा महोत्सवको सफल बनाने में समिति के सदस्यों – नरेंद्र साहू, मनोज्ञ तिवारी, हुतेशसाहू, तुलसीराम साहू, दिनेश खम्परिया, कैलाश तिवारी, शिवकुमार साहू, संदीपसाहू, हिमांशु साहू और सुशांत साहू का विशेष योगदान रहा।वहीं, गरबा नृत्यका निर्देशन और प्रशिक्षण जबलपुर से आई प्रशिक्षक आयुषी गोस्वामी, अन्नूगोस्वामी और नित्या तिवारी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन मेंबच्चियों ने शानदार प्रस्तुति देकर गरबा महोत्सव को यादगार बना दिया।बरगांवका यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का प्रयास है, बल्कि नईपीढ़ी को भारतीय परंपराओं से जोड़ने का भी सराहनीय कदम माना जा रहा है।

नवरात्रि सप्तमी पर शासकीय माध्यमिक शाला बहेरा टोला में कपड़े और स्टेशनरी का वितरण

शहपुरा - शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री दुर्गा सप्तमी के दिन जनपद पंचायतशहपुरा अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला बहेरा टोला (घुण्डीसरई) में विशेषकार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओंको कपड़े एवं शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य संयोजकएवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रमेश साहू ने बताया कि नवरात्रि पर्व कोविद्यालय में हर वर्ष सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाताहै। इसी कड़ी में छात्राओं को एक-एक जोड़ी नए कपड़े प्रदान किए गए। वहीं, कक्षा 6वीं में अध्ययनरत सभी छात्रों को एक-एक कम्पास बॉक्स तथा कक्षा 7वींऔर 8वीं के विद्यार्थियों को पेंसिल प्रदान की गई। प्रधानाध्यापक रमेशसाहू ने कहा कि त्यौहार के समय बच्चों को प्रोत्साहन देने और उनके बीचअध्ययन के प्रति उत्साह बढ़ाने का यह प्रयास हर वर्ष किया जाता है।उन्होंने बताया कि ३हमारा उद्देश्य यह है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नकेवल शिक्षा से जोड़ा जाए, बल्कि उन्हें यह भी महसूस हो कि विद्यालय उनकादूसरा परिवार है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालयपरिवार ने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने केलिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी नए कपड़े और सामग्री प्राप्त कर प्रसन्नताव्यक्त की तथा प्रधानाध्यापक के इस सहयोग के लिए आभार जताया।इसअवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं ग्रामीण अभिभावकगण भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के स्टाफ द्वारा किया गया और अंत मेंविद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी दिवस एवं पखवाड़ा समापन समारोह

शहपुरा - भारतीय संस्कृति की गरिमा से ओतप्रोत मैकलसुता मां नर्मदा के पावन तट परस्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव, डिंडोरी (म.प्र.) मेंशिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की स्वायत्त संस्था नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के दिशा-निर्देशन में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोहका भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य डॉ. हर्ष प्रतापसिंह ने किया। समारोह की शुरुआत भारतेंदु हरिश्चंद्र के चित्र परमाल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। छात्रा अर्पिता मरावी ने हिंदी कोराष्ट्र भाषा के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत किए, वहीं डेविड साहू ने हिंदी प्रचार-प्रसार पर अपने विचार रखे। वंदना देशमुखने अपनी स्वरचित कविता सबसे सुंदर हिन्दी का पाठ किया। प्रवक्ता के. एल.महोबिया ने हिंदी भाषा के महत्व पर वक्तव्य दिया। डॉ. हर्ष प्रताप सिंह ने 14 से 28 सितंबर तक आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं—पत्र लेखन, नारा लेखन, सुलेख, दोहा लेखन, चित्रकला, फीचर लेखन आदि—के विजेताओं को पुस्तकें, पेनऔर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करनेवाले यज्ञ सेन पटेल, आभा बोरकर, दीक्षा तिवारी, उमा मिश्रा, राकेश कुमारसहित अन्य शिक्षकों व कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। प्राचार्य औरउप प्राचार्य अलका विश्वकर्मा ने सभी प्रतिभागियों को पेन और प्रशस्ति पत्रप्रदान किए। अपने उद्बोधन में प्राचार्य ने हिंदी के साथ क्षेत्रीय भाषाओंके देशज शब्दों को भी व्यवसायिक प्रयोग हेतु प्रोत्साहित करने की बात कही।संचालन अर्पिता, वंदना और राखी ने किया। आभार उप प्राचार्य अलकाविश्वकर्मा ने व्यक्त किया।कार्यक्रम में विद्यालय के समस्तशिक्षक-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं गरिमापूर्ण उपस्थिति में शामिल हुए।

पीएम श्री नवोदय विद्यालय में हिंदी दिवस पखवाड़ा का हुआ समापन समारोह

डिंडौरी। हिंदी पखवाड़ा समारोह का भव्य आयोजन पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालयधमनगांव डिंडोरी में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ हर्षप्रताप सिंह, केएल महोबिया, रामानंद उमाशंकर सहित अन्य शिक्षकों द्वाराआधुनिक हिंदी साहित्य के विकास के पुरोधा और पितामह भारतेंदु हरिश्चंद्र कीछायाचित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम की अगली कड़ी में कक्षा आठवीं की छात्रा कुमारी अर्पिता मरावी नेहिंदी भाषा को राष्ट्र भाषा के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर विचारप्रस्तुत किया, इसके बाद छात्र मास्टर डेविड साहू हिंदी प्रचार प्रसार परअपने विचार प्रकट किए। तत्पश्चात छात्रा वंदना देशमुख द्वारा हिंदी भाषा केप्रचार प्रसार को अपनी स्वरचित कविता सबसे सुंदर हिन्दी काव्य पाठप्रस्तुत किया। अपने विचार प्रकट करते हुए। विद्यालय के शिक्षकों की ओर सेकेएल महोबिया पीजीटी हिंदी द्वारा अपने विचारों के माध्यम से हिंदी भाषा केमहत्व और उसकी गरिमा को व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ हर्ष प्रताप सिंहद्वारा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत 14 सितंबर 2025 से लेकर 28 सितंबर 2025 के बीच विविध प्रतियोगिताएं वर्ग पहेली, पत्र लेखन, स्लोगन एवंनारा लेखन, कथा एवं कहानी लेखन, सुलेख लेखन, दोहा लेखन, फीचर लेख, चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवंतृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को पुस्तक हिंदी सामान्य ज्ञान ,हिंदी व्याकरणपेन एवं प्रशस्ति पत्र देकरपुरस्कृत किया गया।

हिंदी सेवकों का सम्मान

विद्यालयमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारी यज्ञ सेन पटेलकार्यालय अधीक्षक, श्रीमती आभा बोरकर संगीत शिक्षिका, सुश्री दीक्षा तिवारीअंग्रेजी शिक्षिका, श्रीमती उमा मिश्रा लिपिक, राकेश कुमार चैकीदार को पेनएवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही साथ विद्यालय केधर्मेन्द्र सोनकर, जनार्दन बोरकर, ओम प्रकाश शुक्ल सभाजीत पटेल , मंगलसिंह, उमेश कांत शर्मा, सुश्री हेमलता परस्ते अन्य शिक्षक - शिक्षिकाओं कोहिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम में सहभागिता के लिए कलम (पेन) देकर प्राचार्यमहोदय डॉ हर्ष प्रताप सिंह और उप प्राचार्य श्रीमती अलका विश्वकर्मा जीद्वारा सम्मानित किया गया।हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम शिक्षाविदप्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में हिंदी भाषा के साथ क्षेत्रीय भाषा केदेशज शब्दों को समाहित कर व्यवसायिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम का संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा कुमारी अर्पिता औरवंदना देशमुख कुमारी राखी के सहयोग से किया । हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम काआभार व्यक्त करते हुए विद्यालय के उप प्राचार्य श्रीमती अलका विश्वकर्मा जीहिंदी भाषा के व्यापक विचार और प्रसार की सराहना करते हुए हिंदी पखवाड़ाकार्यक्रम में सम्पन्न हुए विभिन्न कार्यक्रम के लिए प्राचार्य, हिंदीविभाग, विद्यालय के शिक्षकों ,शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओंकी भागीदारी की प्रशंसा करते हुए विश्व में हिंदी भाषा के व्यापक प्रयोग औरऔचित्य पर बल दिया। हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह में विद्यालय के समस्तकर्मचारियों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति गरिमापूर्ण रही।

शहपुरा नगर परिषद की कार्रवाई : चार किलो पन्नी जब्त, 1240 रुपये का चालान

शहपुरा-स्वच्छता सेवा पखवाड़ा अंतर्गत नगर परिषद शहपुरा द्वारा सोमवार को विशेषअभियान चलाकर कार्रवाई की गई। इस दौरान चार किलो पन्नी जब्त करते हुए 1240 रुपये का चालान बनाया गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी के आदेश पर की गई इसकार्रवाई में नगर परिषद टीम के देवेंद्र साहू, पंचम सोनी, शिवकुमार झारिया, विश्वास सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। नगर परिषद ने स्पष्ट किया है किस्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए इस तरह की चालानी कार्रवाई लगातारजारी रहेगी। साथ ही नगरवासियों से अपील की गई है कि प्रतिबंधित पन्नी काउपयोग न करें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग दें।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मेंभारतीय किसान संघ की बैठक आयोजित हुई। अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, एसडीएमशहपुरा श्री एश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएमबजाग श्री रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक, डिप्टीकलेक्टर (प्रशिक्षु) श्री अक्षय डिगरसे सहित भारतीय किसान संघ के सदस्य एवंसंबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठकके दौरान किसान संघ के प्रतिनिधियों ने पराली प्रबंधन, बीज वितरण, कृषिउपकरणों के उपयोग, धान उपार्जन, खाद्य सामग्री एवं यूरिया-डीएपी कीकालाबाजारी जैसे मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों के समक्ष विस्तार से अपनीसमस्याएं रखीं। किसान संघ ने बताया कि जिले में छोटे और सीमांत किसानआधुनिक उपकरणों का उपयोग नहीं कर पाते। पराली प्रबंधन के अंतर्गत विभागद्वारा किसानों को सस्ती और सरल तकनीक बताने की मांग की गई। धान और सोयाबीनबीज वितरण की पारदर्शी सूची 5 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।साथ ही कृषक प्रशिक्षण, खेत पाठशाला, किसान भ्रमण जैसी गतिविधियों कीजानकारी किसानों को समय पर देने पर बल दिया गया। किसानों ने धान उपार्जनप्रति हेक्टेयर 22 क्विंटल से बढ़ाकर 40 क्विंटल करने की मांग की। जिले के छोटे-बड़े बांधों की सूची और सिंचाई क्षेत्र का मानचित्रकिसान संघ को उपलब्ध कराने की मांग की गई। ग्राम बिजौरी में टूटी नहरों कीमरम्मत, बिलगांव जलाशय मध्यम परियोजना बिलगड़ा बांध में हॉर्न (सायरन) कीव्यवस्था, 43 गांवों तक पानी पहुंचाने हेतु नहरों की मरम्मत, वेस्टवियर गेटपर फेंसिंग और लाइट की व्यवस्था सहित मुख्य सड़क तक डामरीकरण करने की मांगरखी गई।भैसवाही और भाखा बांध में लीकेज एवं क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत, तरच एनीकट बांध से अतिक्रमण हटाने और परियाकला व रावनकुंड में छोटे बांधबनाने की भी मांग की गई। कम वोल्टेज वालेट्रांसफार्मर बदलने, ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर केबल बदलने, 132 केवीसब-स्टेशन शहपुरा को शीघ्र चालू करने, किसानों को 5 रुपये में कनेक्शनदेने, जले हुए ट्रांसफार्मर बदलने के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू करने तथा 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की गई। जिलेमें लाइसेंसधारी गल्ला व्यापारियों की सूची, रेट लिस्ट नहीं लगाने वालेव्यापारियों पर कार्रवाई, ग्रामीण क्षेत्रों में कम कीमत पर खरीदी करनेवाले व्यापारियों एवं वाहनों पर कार्रवाई, शहपुरा व डिंडौरी मंडियों कोअतिक्रमण मुक्त करने तथा रोड किनारे खरीदी करने वाले लाइसेंसधारीव्यापारियों को मंडी में स्थान उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। पशुचिकित्सा विभाग में दवाइयों की उपलब्धता, समय पर इलाज की सुविधा और डिंडौरीमें मिल्क रूट विकसित करने की मांग की गई। जिले में उद्यानिकी के स्थाई ढांचे की संख्या 50 तक बढ़ाने, विकासखंड स्तरपर कार्यालय स्थापित करने, कृषि उपकरणों के पोर्टल एवं वास्तविक मूल्य मेंअंतर समाप्त करने की मांग की गई रजिस्ट्री केसाथ नामांतरण दस्तावेज उपलब्ध कराने, परंपरागत रास्तों का नक्शे में अंकन, राजस्व न्यायालयों में सीसीटीवी कैमरा लगाने, पेयजल उपलब्धता सुनिश्चितकरने, प्रति तीन माह में जागरूकता पखवाड़ा चलाने, फौती नामांतरण की समय सीमातय करने और सरकारी नाला, नदी, तालाब, झरना, गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्तकरने की मांग की गई खाद्य वितरण केंद्रों केपरिसीमन में सुधार की मांग की गई ताकि किसानों को निकटतम केंद्र से खाद्यसामग्री प्राप्त हो सके। किसानों ने जिले में कृषि महाविद्यालय खोलने, फसल को जंगली जानवर एवं आवारा पशुओं से होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्तिदेने और फेंसिंग के लिए 80 प्रतिशत अनुदान देने की मांग की।

शंकर काली मंडल शंकर वार्ड नरसिंहपुर

जय महाकाली मंडल निरंजन वार्ड नरसिंहपुर

श्री महाशक्ति नवदुर्गा मंडल उत्कृष्ट विद्यालय के सामने नरसिंहपुर

विंध्यवासिनी दुर्गा मंडल भटिया टोला नरसिंहपुर

जय मां खेरापति दुर्गा मंडल लक्ष्मीबाई वार्ड नरसिंहपुर

मां सिंहवाहिनी दुर्गा मंडल झिरना रोड नरसिंहपुर

मां त्रिपुर सुंदरी इंदिरा वार्ड नरसिंहपुर

जय भारत काली मंडल गुरुद्वारा रोड नरसिंहपुर

नवयुवक काली मंडल तिलक वार्ड नरसिंहपुर

जय हनुमान दुर्गा मंडल बरगी फाटक के पास नरसिंहपुर

खबर संक्षेप

कांग्रेस की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। गत दिवस जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल की अध्यक्षता में जिले के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक में संगठन संबंधित चर्चा हुई। सभी पदाधिकारियों ने अपनी अपनी बात रखी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने संगठन की मजबूती और सक्रियता के लिए सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रदेश और राष्ट्रीय संगठन के दिशा निर्देशो का पालन हम सबको करना पड़ेगा। बैठक में कांग्रेस नेताओं पदाधिकारी ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से लोग परेशान है यूरिया खाद्य आदि के भारी संकट से जूझ रहे किसान को उपज का वाजिब मूल्य नही मिल रहा और अत्यधिक वर्षा से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। बैठक में मतदाता सूची के कार्य में नजर रखने को कहा गया। जिससे मतदाता सूची के फर्जीबाड़े को रोका जा सके।

जहर के सेवन से मौत

नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी निवासी युवक की जहरीली वस्तु के सेवन से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चेतराम पिता गोकल लोधी उम्र 28 वर्ष निवासी बरगी थाना ठेमी द्वारा खेत मे अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

महिला को जहरीली कीड़े ने काटा

नरसिंहपुर। गत दिवस खेत मे काम करने गई महिला को जहरीले कीड़े ने काट लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूना बाई पति टीकाराम रजक उम्र 30 वर्ष निवासी डोंगरगांव स्टेशनगंज खेत में काम करने के लिए गई हुई थी तभी जहरीले कीड़े ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया।

सकड़ दुर्घटना मे दो घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के देवरी कला के पास हुई सड़क दुर्घटना मे दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि टीकाराम पिता शीतल प्रसाद लोधी उम्र 70 वर्ष निवासी चिकनी थाना कोतवाली एवं सिद्धार्थ लोधी पिता भूपत लोधी उम्र 16 वर्ष निवासी चिनकी थाना कोतवाली देवरी कला के पास सड़क दुर्घटना में घायल हो गए जिन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

छात्रों ने किया रक्तदान

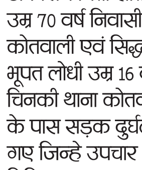

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उमंग हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम के अंतर्गत आज एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया यह शिविर जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त एकत्र करना प्रेरित करना था

आज लगेगा हलवा पुड़ी खीर का भोग

तेंदूखेड़ा विगत नौ दिनों से चले आ रहे शक्ति साधना के महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व की समापन बेला पर श्रद्धालु जहां अपनी अपनी साधना और व्रतों का परायण करेंगे वहीं हवन पूजन के साथ आज खेरापति मंदिरों में पहुंचकर मातारानी को हलवा खीर पुड़ी का भोग लगायेंगे।इन नौ दिनों तक श्रद्धालुओं ने अपने अपने सामर्थ्य के अनुसार मौन व्रत नंगे पैर चलकर एक टाइम भोजन तो एक गिलास दूध लेकर माता रानी की उपासना की गई।

इमझिरा में जगदंबा की झांकी

तेंदूखेड़ा शक्ति की भक्ति साधना का महापर्व शारदीय नवरात्र पर्व अपने पूरे शबाब पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में बनी झांकियां आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। प्रतिष्ठित ग्राम इमझिरा में लगातार 30 वर्षों से मां भगवती की स्थापना राजहंस दुर्गा उत्सव समिति द्वारा होती थी आ रही है जहां प्रतिवर्ष एक अलग ही मनमोहक झांकी भक्तों को देखने मिलती है। इस बार बनी झांकी संपूर्ण क्षेत्र में जनाकर्षण का केंद्र बनीं हुई है। भगवती के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहें हैं।

काया का गरबा महोत्सव संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। नवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में, शहर के प्रतिष्ठित काया इंटरनेशनल योग एंड जुंबा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह व नमिता जनोरिया के द्वारा हर साल की तरह इस बार भी एक भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भक्ति, संगीत, नृत्य और पारंपरिक उल्लास का एक ऐसा अनूठा संगम देखने को मिला जिसमें सेंटर के सदस्यों और शहर के गणमान्य अतिथियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रियंका शर्मा व रचना त्रिवेदी के कुशल संचलन में अत्यंत आध्यात्मिक वातावरण में सामूहिक दुर्गा चालीसा पाठ के साथ हुई। माँ दुर्गा की भव्य आरती तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक शानदार श्रृंखला देखने को मिली।

त्रिलोक सुंदरी श्री मां भगवती सिंहवाहिनी देवी की विशेष पूजा

गोटेगांव नरसिंहपुर

नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री राजयोग आश्रम शंकराचार्य बाल लीला धाम बरहटा में त्रिलोक सुंदरी श्री मां भगवती सिंहवाहिनी देवी की विशेष पूजा-अर्चना हो रही है। आश्रम प्रभारी सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी जी महाराज ने बताया कि मां भगवती का प्रतिदिन अनुपम सुंदर श्रृंगार किया जा रहा है और भक्तों द्वारा कलश ज्योति प्रज्वलित हैकलश भवन में 34 तेल के कलश और 5 घृत के कलश जगमगा रहे हैं, जो सर्व मनोकामना सिद्धि के प्रतीक हैं। नरसिंहपुर, जबलपुर, सिवनी और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु मां भगवती के दर्शन करने पहुंच रहे हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना कर रहे हैं।

आगामी कार्यक्रम- 30 सितंबर (मंगलवार): महानिशा दुर्गाष्टमी पूजन- 1 अक्टूबर: हवन एवं कन्या भोज- 2 अक्टूबर (गुरुवार)*: जवारे विसर्जननवरात्रि के अवसर पर विशेष अनुष्ठान के लिए ब्राह्मणों की व्यवस्था की गई है, जिनमें पंडित रमाकांत शास्त्री जी, शिवा शास्त्री, पंडित हेमराज, प्रकाश महाराज और कपिल राजोरिया शामिल हैं। ये ब्राह्मण नवरात्रि के दौरान विशेष पूजा-अर्चना और हवन करेंगे, जिससे भक्तों को आध्यात्मिक लाभ और शांति मिलेगी।

दर्दनाक सड़क हादसे में मरीज की जान से खिलवाड़

रेफर सेंटर बना सामुदायिक स्वास्थ केंद्र

गोटेगांव सड़क हादसों में एक गंभीर आरोप सड़क हादसों में एक बड़ा गंभीर आरोप जो लाइलाज दिखाई देता हैं गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले दर्दनाक सड़क हादसों में सरकार द्वारा उपलब्ध 108 (एम्बुलेंस)आपातकालीन वाहन मौके पर मरीज के परिजनों को उपलब्ध नहीं हो पा रहा हैं कारण हैं 108 स्टाफ के कर्मचारियों की निजी एम्बुलेंस सेवा बालों से मिलीभगत एक बड़े कमीशन का चक्कर स्थिति कुछ ऐसी हैं कि जब भी कोई बड़ी वाहन दुर्घटना होती हैं ऐसी स्थिति में आमजन 108 एम्बुलेंस सेवा से संपर्क करते हैं नजदीकी गोटेगांव की 108 एम्बुलेंस उपलब्ध कराने के लिए स्टॉफ से संपर्क किया जाता हैं लोकल स्टाफ के पास जानकारी आती हैं कि उक्त घटना स्थल पर घटना घटित हो गई हैं आप यदि फ्री हैं तो उन्हें केश आई डी देकर मौके पर जाने आदेश दे दिया जाता हैं मौके पर जाकर मरीज को ले आइए अब प्रारंभ होता हैं मरीज के साथ हेर फेर का खेल 108 स्टाफ निजी एम्बुलेंस बालों से जानकारी साझा करते हैं कि हमारे पहुंचने से पहले आप लोग पहुंच जाओ और उस मरीज को गोटेगांव स्वास्थ्य केंद्र ले आओ यहां से उस मरीज को निजी एम्बुलेंस में रेंफर करा लिया जाता हैं मरीज को रास्ते में गुमराह करके निजी अस्पताल ले जाया जाता हैं जिससे तगड़ा कमीशन बन सके आवारा मवेशी के कारण हो रहे सड़क हादसे प्रशाशन लापरवाह गोटेगांव

बीते दिवस दिन बुधवार 17/9/25 को समीपवर्ती ग्राम बगासपुर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। तेज रफ्तार मालवाहक और मोटरसाइकिल की आमने-सामने हुई भिड़ंत में तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए थे। लेकिन घटना के कुछ समय पश्चात ही हादसे में मोटरसाइकिल सवार उदय राज पटेल निवासी खमरिया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राहुल यादव और उनकी पत्नी सीमा यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर मौजूदा ग्रामीणों ने तत्काल घायलों को एम्बुलेंस से गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उदयराज को मृत घोषित कर दिया गया था डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल राहुल और सीमा यादव को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया, लेकिन राहुल यादव ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। भीषण टक्कर में राहुल यादव का दायां हाथ पूरी तरह छत-विक्षत हो गया था। उदयराज के सीने में गंभीर अंदरुनी चोट होने की जानकारी सामने आई।गर्भवती महिला की हालत भी गंभीर घटना में घायल महिलासीमा यादव गर्भवती हैं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आई और उनकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की देखरेख में उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके और अस्पताल पहुंच गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मालवाहक और मोटरसाइकिल दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे मवेशियों को बचाने में हुआ सड़क हादसा-ग्रामीणों का कहना है कि मालवाहक तेज रफ्तार में था और सामने से आ रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि आसपास मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। बगासपुर गांव की सड़क पर लगातार मवेशियों का जमावड़ा बना रहता है। सड़क पर खड़े मवेशियों के कारण वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत आती है और अक्सर हादसे हो जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर मवेशियों के आवागमन पर रोक लगाने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाए समूचे जिले में चल रही निजी अनफिट कबाड़ एम्बुलेंस समूचे जिले में बड़े स्तर पर निजी एम्बुलेंस सेवा दे रही हैं इन एम्बुलेंस में अधिकांश वाहन पूर्ण रूप से खटारा हो चुके से स्वस्थ विभाग की गाइड लाइन की दृष्टि से देखा जाए तो लगभग 70 प्रतिशत वाहन पूर्ण रूप से अनफिट मिलेंगे जिन्हें मरीज को लाने के जाने में उपयोग नहीं किया जा सकता ऐसी एम्बुलेंस में न कोई ऑक्सीजन उपलब्ध हैं और यदि ऑक्सीजन सिलेंडर गाड़ी में लगा भी हैं तो खाली हैं या फिर जो चालक एम्बुलेंस वाहन चला रहा हैं उसको इस बात की कोई भी फिक्र नहीं हैं कि गम्भीर मरीज को ऑक्सिजन भी लगाना होता हैं ये सब कुछ किसकी दया पर चल रही हैं संचालक पर कोई कार्यवाही सुनिश्चित क्यों नहीं कर रहे हैं एक गंभीर और बड़ा सवाल हैंइनका कहना हैं एस डी ओ पी ए(मनीष त्रिपाठी)जो भी निजी एम्बुलेंस अनफिट चल रही हैं मुझे उनकी जानकारी प्रदान करें निश्चित तौर पर कार्यवाही सुनिश्चित करूंगा सत्य सिंह पटेल (समाजसेवी)मैं मौके पर मौजूद था मेरी उपस्थिति में ये सभी घटनाक्रम हुआ कॉल 108 को लगाया और मौके पर निजी एम्बुलेंस आई शासकीय अस्पताल जो ऑक्सीजन दी गई बो खाली थी ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीज ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया इसका जिम्मेदार कौन।

108 महाकाली के स्वरूपों के दर्शन पाकर दर्शनलाभी हुए कृतज्ञ बारिश के चलते भी श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई असर नहीं

करेली।

जय भोले दुर्गा समिति द्वारा विगत 50 वर्षों से लगातार नगर में आस्था की बयार बहाता रहा है इस आयोजन समिति का यह पहला मोका है जब नगर को इतना भव्य आयोजन महाकाली के 108 विविध स्वरूप को शिवशक्ति चौक में स्थापित किया गया है, इस आयोजन की तैयारी समिति द्वारा विगत दो वर्षों से निरंतर की जा रही थी महाकाली के 108 स्वरूपों की स्थापना को लेकर समिति के अध्यक्ष द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों से संपूर्ण जानकारी जुटाकर इतने बड़े भव्य आयोजन को साकार किया जानकारों की अगर मां ने तो ऐसा भाव 108 महाकाली का आयोजन प्रदेश ही नहीं शायद देश में भी पहला आयोजन है आयोजन स्थल पर आस्था का सैलाब सहज ही देखा जा रहा है वही नगर में रूक रूक कर हो रही तेज वर्षा भी भक्तों के उत्साह को कम नही कर पा रही है। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर जय भोले दुर्गा समिति द्वारा इस वर्ष एक ऐतिहासिक और अद्वितीय आयोजन किया गया है।देखते बन रही भव्यता नगर में मां महाकाली के 108 स्वरूपों की भव्य प्रतिमाओं की स्थापना की है, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था और दिव्यता का अनुपम संगम प्रस्तुत कर रहा है।आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक साज-सज्जा, अद्भुत रोशनी, आकर्षक मंचन और भव्य दरबार की शानदार व्यवस्थाओं से यह आयोजन नगरवासियों और आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। शक्ति की भक्तिमां महाकाली के अद्भुत और अनुपम 108 स्वरूपों का दरबार इतना दिव्य प्रतीत हो रहा है कि श्रद्धालु इसे शक्ति की भक्ति अनुभव बता रहे हैं।भक्ति गीतों की धूमभक्ति गीतों की रही धूमसप्तमी दिवस में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन लाभ लेने पहुंच रहे हैं। दिन भर मां के जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण गूंजता रहता है। श्रद्धालु बड़े भाव और उत्साह के साथ माता रानी की आराधना कर रहे हैं। पहली बार स्थापित जय भोले दुर्गा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महाकाली के 108 स्वरूपों को पहली बार स्थापित किया गया है जो देश में पहली बार हुआ है।प्रेस परिषद हुआ सहभागीइस आयोजन का उद्देश्य समाज में भक्ति, आस्था और एकता का वातावरण निर्मित करना है। समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए सुचारु दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा और प्रसाद वितरण की भी समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं। अविस्मरणीय आयोजननगर में पहली बार इतने बड़े स्तर पर मां महाकाली के 108 स्वरूपों का भव्य दरबार सजा है, जो निश्चित ही ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन गया है। श्रद्धालु इसे जीवन का दिव्य और अद्भुत अवसर मान रहे हैं। उठाए पुण्य लाभआइए, हम सभी भी इस अनुपम आयोजन में शामिल होकर मां महाकाली के 108 स्वरूपों के दर्शन लाभ लेकर अपने जीवन को धन्य बनाएं।